

ASMA ARCHIVES	
572	
RUPAN HALL	

महाराष्ट्र

१ ॐ न म श्री म ग व ते वा सु दे वा य न मः ॥
वृ ष ण त्मो वा वः ॥ वि ह्म यं ज न्म क दि यं ॥
स र्व इः प्र नि वा र रां उ य ते जौ म त्ता
वी र्य द्वा र्वा च्यु नि कृ त न न्म्री वं त्मा ता आ उ न्मा
द य क लं दि य वि ह्म यं ज न्म न ध्या इ ष्ट द
र मी व क र ते ज क्त न्म धा क स दा न स ज्म मी

व क र ता ॥ १ ॥ वि ह्म पु त्म त्म ने न म वृ ह्म रा ण द्वा
म र कृ तः ॥ त द ह स प्र व द्वा मि आ त्मा र द्वा
स दा न वै नू र्वि पु त्म त्म र द्वा मि य क्त म ना व
न वं त्मा व म ता दे व व न्म त्मा ते न द य क्त क र व
त्रि व र द्वा या ये आ त्मा र द्वा या ये स दा कालै ष
पौ र द्वा तु गौ र्वि न्म द जं य म स तु वि वि क्त म उ ह्म क्त
त नो र द्वा क क्त यै व ज न्म इ न्म पा ण ली त न्म

विन्दन रक्षा या यी वाधित पाणित्रिजी कमन रक्ष या यी
सब ल पा सकै वावन रक्षा या यी व आने सजना दनन रक्षा या
यी व भाभ लू जे वा त रक्ष गु ल्य लू वा न लू य उ डे प म
मा न व ल रि ए खं च र क्ष तु ते प्र स अ वा त न रक्षा
या यी गु ल्य लू वा म न न रक्षा या यी व व न पा स प म नो
मन रक्षा या यी व दु गा यी लू द न रक्षा या यी व
वा मा पा र्श्व त तो वि ह धु द क्षि ने म धु लू द न वा ह म्मा च
मु दे सा ह द य म ज ना द न ॥ ॥ ल व न्ना ली

स वि ह मु न रक्षा या यी व द ओ ए दि ना रा म धु
लू द न रक्षा या यी व वा ला ने वे सं वा मु दे व न रक्षा
या यी व लू ग व ल स ज न्ना द न न रक्षा या यी व क रा ठे
रक्ष तु वा रा ल ॥ ५ ॥ कु ल्य च मु ल व म रा ड ले मा धे वी क
रा म्मा रक्ष ल पि के वा व न्ना रि के ॥ ॥ क रा ८ स व
रा ल न रक्षा या यी व लू प्रो श्री क न रक्षा
या यी व

ऊ स प त स मा ध व न र क्षा या यी व ह्ना स ग्रा ह्य वि
केश न र र क्षा या यी व ह्ना ॥ नेत्रो ना त य रणे र र क्षा
लो त ग रु ड ह्ना ध ज क पो लो के श बो र क्षा वे न नै य
व र क्षा त्र म स्त्रा स ना त य राने र क्षा या व ह्ना स ग रु
ड ध ज न र क्षा या या न क पाल स के श व ने र क्षा या
यी व श्री वत्स स र्व त्रे षु र क्षा मे पु रु षो भः ॥ पू र्वे षु पु
रा ड रि क क्षा आ

गते यो श्री ध र क्षा था स र्वी गत पु रु षो न म न र क्षा या
यी व पु र्वी दि त्ता रा पु रा ड री का क्षा र क्षा या यी व आ
जने र को न स म्प्री ध र क्षा र क्षा या यी व ॥
दक्षि री ना र क्षि ली व दामो द र क्षा नै न म र्व पु रु षो न म
वा रु रा णां वा यु व्यां पी त वा स स द क्षा न र्दिया स नृ सि
ह न र क्षा या यी व नै न त्थ को न स दामो द र क्षा या यी व

पञ्चि मदि ना स पु रु षो न मन र क्षा या यी व न
पु न को न पि ना म र न र क्षा या यी व न ग दा ध र सु को र स
ये हे ना ले दि ना पा ना ले पु ग डा र क्ष आ का नी पु सु द
नी ले उ न र दि ना स ग डा ध र क्षा या यी व र्द ना
न को न ना ष ध र रा र क्षा या यी व पा ना ल स ग अ ध र रा र
क्षा या यी व न्ना का स स च के ध र न र क्षा या यी व ॥ १ ॥

सन्निधौ सर्व गात्रेषु पवित्रो विष्णु पञ्चल इमु पञ्चल वि
स्तो हवीत्र रामे म सीतले सन्निधौ न सर्व वत्सा न सर
का या यौ व अ पवी वत्स्या न सवी हमुन पवित्र या यीव
धु ते न संसा र सविष्णु त वधा ३॥ ११ ॥ राज्ञे ह्य रे पठेद्यो
रे मंगा ममे सत्रु संकते ॥ नदिषु त र एष्यै व चा ध्रुवौ
रभय स्रथा रान्ना यो भये अनेक दुःख या भये स गाम सना

वु या भये न दी य म ये चो र या भ या प्र या भ ये थ ते
या भ ये द या वृ म वृ अग्नि दग्ध नि पात्रे पू भूत
ग्रह राध्या रतां ॥ दाकि नी भत प्रेते पुत्र यं तास्तिक दाव
न मि या भ य ॥ ॥ भूत या भ य दाकि नि या भ ये सा
कि नी या भ ये धु ते भ ये ज्व वे ल सं दधि नम तु ॥ १३ ॥
रक्ष रक्ष म ला दे व रक्ष रक्ष म हे श्व र ॥ रक्षन्तु सर्व दे

बानां वं ह्याविष्णु म हे स्र ह ॥ ॥ धृगुनीविष्णु पंजनं पा
ठ या क ह्यं य ता व ह्या म हा दे व प्रधृति तंति स कोटि दे
वता न र भा या यी व ॥ १५ ॥ दिवार भन्तु सूर्या हं गात्रे
र सन्तु वन्द्य मा ॥ स दे वा र क्ष त वि ह्य स र्व स्य नेत्र ना ईनः
॥ ॥ दिन स न्नी सूर्य न र भा या यि त्र रात्री स वं द्य मा
न र भा या यि त्र द को दे व ता य ता श्री ह्यु न र क्षा या यि त्र

१ स र्व व ह्या न स न ना ई न न र क्षा या यि त्र ॥ १५ ॥
जले र क्षं तु वा रा हं कृ र्क्ष स्थले र क्षा तु वाम न अतथा
ना र क्षि हं व स व व पा तु केश व ॥ ॥ जल स व रा ह
न र क्षा या यि त्र स्थल स वाम न नं र क्षा या यी व व न स व
सिं ह न र क्षा या यि त्र ने पा तु ति नू व यो स क्ते स व नं द क्षा
या यि त्र ॥ १६ ॥ क व च वा सु दे व स्य यः प णी

तनि ग्य स॥ भयं न च परि द्रु सर्व चाधिनिवा रणं॥ ॥
थल्यं वा सु दे व या क व चः गत्तुं मनु ष्य न पाठ्या
यी वः ध्व ल्यं वा सु मनु ष्य याः अतै गतै ग या नयः अ
ने ग दार द्र या भयं च ते स म स नो वा र मु ई व ॥ १७ ॥ वि
उर्ध्वं लभते वि ध नाथि लभते धनं॥ क न्या र्थि लभते कं
नामो धा र्थि ल ते ग गति ॥ ॥ वि आ का म ना या न सा वि आ
स या

वध न वा द्या या न सा ध न द या वः पु त्री वा द्या या न सा पु त्री द
मो व मो भा वां द्या या न सा मो क्ष पु पि नु ई व ॥ १८ ॥
अ पु त्री व लभते पु त्रः स भा र्थि लभते स्त्रियं॥ का मा र्थि
लभते का म य रा त्रौ भा ग कि ति दं ॥ ॥ पु त्र वां या तं सा पु त्र
द ई व त्पु म दू ल्य या त्प्री द या वः॥ का म वा द्या या न सा
का र्थि द व व ज स की र्ति ना दे भा ग्य मा ना नु ई व ॥ १९ ॥

सर्व पापविनिमूक्तं वि हमुलोकं स गच्छती ॥ अच्युतानन्द
गैविन्दनामो वा रनजौ तज ॥ न १ पत्ति सकला रोगाः स
त्ये सत्यां व दाम्य त ॥ ॥ थुगुलि वि हमु पंज पठ
याका सं यताः द कौ पा प मुक्त तु या रवि हमुलां क व नीक
धर्म्य जेन न्त अच्युतमाना म स्मर ता या जन ॥ समस्त पा
प न त्रा मु ई वः सत्य सत्यनं ॥ २० ॥ म्व स सश्र फलं

पु राप वाज पा य ११ ता नि व ॥ अश्व मे ध स त्त्रा नि फलं
श प्रीतिमान वः ॥ थुगुलि वि हमु पंज पाठ या क
सं यता ॥ सां येन की दान या ज गू पु राप ॥ वाज
पा वज ११ त दी या ज गू पु राप ॥ अश्व मे ध ज ११ के
ल दी या ज गू पु राप ॥ थुगुलि वि हमु पंज पाठ या क
मि तां दी पत्ति वि हमु द रा उ या रिण म् ले च र ॥ म्व स सश्र फलं



ASIAN AMERICANS

572

陳氏性說



